books were stolen some time back from the Slavonic Division of National Library, Calcutta;

(b) whether it is also a fact that though the culprit was caught red-handed nothing has been done to retrieve the books;

(c) whether it is a fact that some valuable periodicals were also stolen from the Library; and

(d) whether any enquiry Committee has been set up to investigate these thefts and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) Four books from the Slavonic Languages Division and 51 books from the Romance Languages Division were stolen.

(b) No, Sir. The culprit was caught and the books were retrieved from his residence.

(c) Yes, Sir. Three issues of periodicals were stolen.

(d) No, Sir. No action could be taken against the culprit because he committed suicide on 21st October, 1991.

दिल्ली विकास प्राधिकरण में अधिशेष कर्मचारी

*257. श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :

श्री राम सिंह राठवा : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली विकास प्राधिकरण में कार्यरत फालतू कर्मचारियों की संख्या कितनी है ;

(ख) इन फालतू कर्मचारियों को प्रतिमाह कितनी धनराशि का भुगतान किया जा रहा है और इसके परिणामस्वरूप दिल्ली विकास प्राधिकरण को कितना वार्षिक आर्थिक बोझ वहन करना पड़ रहा है ;

(ग) भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक की इस बारे में क्या प्रतिक्रिया है और 30 जून, 1993 की स्थिति के अनुसार फालतू कर्मचारियों का श्रेणीवार ब्यौरा क्या है; और

(घ) केन्द्र सरकार द्वारा दिल्ली विकास प्राधिकरण को क्या निर्देश जारी किये गये हैं ?

शहरी विकास मंत्री (श्रीमती शीला कौल) : (क) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने बताया है कि केवल समूह "ख" (नियमित) श्रेणी में 1124 बेशी कर्मचारी हैं । अन्य किसी श्रेणी में कोई बेशी कर्मचारी नहीं है ।

(ख) बेशी कर्मचारियों को लगभग 22.48 लाख रुपये मासिक अर्थात् 2.70 करोड़ रुपये वार्षिक राशि दी जाती है ।

(ग) सी०ए०जी० रिपोर्ट के अनुसार 1989-90, 1990-91 और 1991-92 वर्षों में समूह "ख" में वास्तविक कर्मचारी संख्या स्वीकृत कर्मचारी संख्या से काफी अधिक रही है । ये अधिशेष 75 से 83% के बीच था ।

बेशी कर्मचारियों (नियमित) के 30 जून, 1993 को ब्यौरे इस प्रकार है :—

स्वीकृत कर्मचारी	2536
कार्यरत	3660
बेशी	1124

(घ) भारत सरकार ने 21 फरवरी, 1992 को दिल्ली विकास प्राधिकरण को निर्देश दिये हैं कि समूह "क", "ख" तथा "ग" में कतिपय रिक्त पद न भरे जाएं, समूह "ग" के 460 रिक्त पदों को समाप्त कर दिया जाए, समूह "घ" के 550 पदों को क्रमशः खाली होने पर समाप्त करने की प्रक्रिया अपनायी जाए, 230 कालोनियों को, उनके नाम पर कार्यरत लगभग 3500 कर्मचारियों सहित, दिल्ली नगर निगम को सौंप दिया जाए ।

Built up Area in Raj Nagar, Palam Colony

*258. SHRI RATNA BAHADUR RAI : Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under Government's consideration for de-notification of acquired and built-up area of Raj Nagar Part-II, Palam Colony, New Delhi for the purview of the award of acquisition; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SMT. SHEILA KAUL) : (a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

Illegal Occupation of a Khasra in Village Ladho Sarai

*259. SHRI JAGMOHAN : Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Khasra No. 166 measuring about 46 Bighas in the village Ladho Sarai in Mehrauli belongs to the D. D. A.;

(b) whether the land use of this area is green and is very near the Qutab Minar and other historical monuments;

(c) whether this land is being illegally/unauthorisedly developed/sold in total violation of the laws on the subject;

(d) whether it has come to the notice of the